

06⁰²/₂₃

आज यह पत्रावली पेश की। मोड
भी उक्त नदी को पत्रावली का शु
वाद अदम हजरी अदम जैसी के
खाति किपा जा रहा है। शास्त्र
प्रार्थना-पत्र पर कोई कार्यवाही उपेक्ष
नहीं। अतः पत्रावली के मोड उपाधि
नहीं होने से यह पत्रावली भी अदम
हाजरी अदम जैसी के खाति की
जाती है। पत्रावली के अंत में
नमस्कार से अंत हुआ। बाद में साहित्य
लिख किपा जा।

उपखण्ड निरीक्षक
बहरोड़ (अलवर) राज०

